Syllabus and Course Scheme
Academic year 2016-17

B.Com. – E.A.F.M.
Exam – 2017

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

B.Com. (Pt-I) -2017
Economic Administration and Financial Management

Scheme

Two Papers	**Min. Pass marks 72**	**Max. Marks 200**
Paper - I - Economic Environment in India	**3 hrs**	**100**
Paper -II - Business Economics	**3 hrs**	**100**

Paper - I : Economic Environment in India

Duration 3 hrs **Max.Marks 100**

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit - I

Economic environment - Meaning, Factors affecting economic environment. New Economic Policies and Reforms and their impact. Economic planning in India - Objectives, Strategies, Achievements and Failures. Income, Savings and Investment in India.

Unit - II

Population - Characteristics, causes of growth, problems. New Population Policy and its evaluation. Problems of Unemployment, Poverty, Inflation, Industrial Sickness and Regional Imbalances.

Unit - III

Industries - Problems of Industrial Development in India. Industrial policy of 1991 and Recent changes. Small Scale Industries: Importance, Problems and Present Position. Privatization and Disinvestment. Role of Agriculture in Indian Economy, Problems and present position in India. New Agriculture Strategy and its impact. Land Reforms and Agriculture Credit.

Unit - IV

Balance of Trade and Balance of Payments in India. Export Promotion in India. Present Export - Import (EXIM) Policy of India. Direct Foreign Investment in India: FDI and FIIs

Unit - V

Economy of Rajasthan - Basic characteristics and problems of the Economy of Rajasthan. Characteristics of Population and Present Population Policy of Rajasthan. Present position and problems of Agriculture, Industries, Power and Rail and Road Transport. Strategies and Initiatives of development of the Economy of Rajasthan.

References :

1. Agarwal A.N. : Indian Economy
2. Misra & Puri : Indian Economy
3. Rudradutta & Sundram : Indian Economy

4.	Dewet K.K.	:	Indian Economy
5.	Dhingra, I.C.	.	Indian Economy
6.	Planning Commission	:	Various Plans & Reports
7.	Agarwal, Anupam	:	Indian Economy.
8.	Gupta B.P. & Swami H.R.	:	Indian Economic Environment
9.	अग्रवाल एवं गुप्ता	:	भारत में आर्थिक पर्यावरण, रमेश बुक डिपो, जयपुर
10.	भिण्डा एवं वशिष्ठ	:	भारत में आर्थिक पर्यावरण, अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
11.	शर्मा, ओ. पी.	:	भारत में आर्थिक पर्यावरण, आर.बी.एस.ए., जयपुर

Paper - II : Business Economics

Duration 3 hrs Max.Marks 100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit - I

Introduction : Definition of Business Economics and its role in business decisions. Micro and Macro Economics. Economic models - Meaning, Types and Advantages. Basic Problems of an Economy.

Unit - II

Consumer Behaviour

Utility Analysis : Law of Dimnishing Marginal Utility, Law of Substitution, Consumer's Surplus. Concept of Demand, Law of Demand and Elasticity of Demand.

Indifference Curve Analysis : Meaning, Characteristics, and Consumer's Equilibrium. Price Effect, Income Effect and Substitution Effect.

Unit - III

Production and Cost Analysis

Production Function : Laws of Returns, Returns to Scale, ISO - Product Curve, Least Cost Combination of Factors.

Cost Concepts and Classification, Cost Function and determinants of Cost. Short-term and Long -term Cost Analysis.

Theories of Population. Law of Supply and Elasticity of Supply.

Unit - IV

Commodity Pricing

General Theory of Value. Time Element in Price Determination.

Price and output determination under Perfect and Imperfect Competition, Monopoly and Discriminating Monopoly.

Oligopoly - Characteristics, Indeterminate Pricing and output, Price Leadership and Kinked Demand Curve.

Unit - V

Factor Pricing

Marginal Productivity Theory of Distribution. Theories of Rent, Wages, Interest and Profit. National Income: Definition, Measurement, Concepts and Economic Welfare.

References :

1.	Samuelson	:	Economics
2.	Stonier and Hague	:	A Text Book of Economic Theory
3.	Seth M.L.	:	Principles of Economics
4.	Mithani D.M.	:	Principles of Economics
5.	Agarwal, Anupam	:	Economic Analysis
6.	Agarwal M.D. & Som Deo	:	Business Economics
7.	Mathur N.D.	:	Business Economics
8.	Choudhary C.M.	:	Business Economics
9-	Misra & Puri	:	Business Economics
10.	Varshney & Maheshwari	:	Managerial Economics
11.	Dwivedi D.N.	:	Managerial Economics
12.	अग्रवाल एम.डी.	:	व्यावसायिक अर्थशास्त्र
13	सिंह गोपाल	:	व्यावसायिक अर्थशास्त्र

बी.कॉम –पार्ट I- 2017
आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबन्ध विभाग

योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक 200
प्रथम प्रश्न पत्र– भारत में आर्थिक पर्यावरण	अवधि तीन घण्टे	अंक 100
द्वितीय प्रश्न पत्र– व्यावसायिक अर्थशास्त्र	अवधि तीन घण्टे	अंक 100

प्रश्न–पत्र –1 भारत में आर्थिक पर्यावरण

समयावधि – 3 घंटे अधिकतम अंक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगेः

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न के भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाइयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – 1

आर्थिक पर्यावरण – अर्थ, आर्थिक पर्यावरण को प्रभावित करने वाले तत्व। नवीन आर्थिक नीतियॅा तथा सुधार तथा उनके प्रभाव। भारत में आर्थिक नियोजन : उद्देश्य, व्यूहरचना, उपलब्धियां एवं विफलतायें। भारत में आय, बचत एवं विनियोग की प्रवृतियां।

इकाई –2

जनसंख्या : विशेषतायें, वृद्धि के कारण, समस्यायें। नवीन जनसंख्या नीति तथा उसका मूल्यांकन। बेरोजगारी, गरीबी, मुद्रास्फीति, औद्योगिक रूग्णता तथा क्षेत्रीय असंतुलन की समस्यायें।

इकाई – 3

उद्योग : भारत में औद्योगिक विकास की समस्यायें। 1991 की औद्योगिक नीति एवं नवीन परिवर्तन। लघु पैमाने के उद्योगः महत्व, समस्यायें एवं वर्तमान स्थिति। निजीकरण एवं विनिवेश। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका, समस्यायें एवं वर्तमान स्थिति। नवीन कृषि व्यूह रचना एवं उसका प्रभाव। भूमि सुधार एवं कृषि साख।

इकाई–4

भारत में व्यापार शेष एवं भुगतान शेष। भारत में निर्यात संवर्द्धन। भारत की वर्तमान निर्यात – आयात नीति। भारत में विदेशी निवेश : प्रत्यक्ष विदेशी विनियोग, विदेशी संस्थागत निवेशक।

इकाई – 5

राजस्थान की अर्थव्यवस्था : मौलिक विशेषतायें तथा राजस्थान की अर्थव्यवस्था की समस्यायें। जनसंख्या की विशेषतायें तथा राजस्थान की वर्तमान जनसंख्या नीति। कृषि, उद्योग, ऊर्जा, तथा रेल एवं सड़क यातायात की वर्तमान स्थिति एवं समस्यायें। राजस्थान की अर्थव्यवस्था के विकास की व्यूहरचना एवं पहल।

प्रश्न–पत्र –2 व्यावसायिक अर्थशास्त्र

समयावधि – 3 घंटे अधिकतम अंक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई – 1

परिचय– व्यावसायिक अर्थशास्त्र की परिभाषा तथा उसकी व्यावसायिक निर्णयों में भूमिका। व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र। आर्थिक प्रतिरूप (मॉडल्स) : अर्थ, प्रकार तथा लाभ। अर्थव्यवस्था की मूलभूत आर्थिक समस्यायें।

इकाई – 2

उपभोक्ता व्यवहार

उपयोगिता विश्लेषण : सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम, प्रतिस्थापन का नियम, उपभोक्ता की बचत, मांग की अवधारणा, मांग का नियम तथा मांग की लोच।

तटस्थता वक्र विश्लेषण : अर्थ, विशेषतायें तथा उपभोक्ता का साम्य, कीमत प्रभाव, आय प्रभाव, तथा प्रतिस्थापन प्रभाव।

इकाई – 3

उत्पादन एवं लागत विश्लेषण

उत्पादन फलन : प्रतिफल के नियम, पैमाने के प्रतिफल, समोत्पाद वक्र, साधनों का न्यूनतम लागत संयोग। लागत अवधारणायें तथा वर्गीकरण, लागत फलन तथा लागत के निर्धारक, अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन लागत विश्लेषण। जनसंख्या के सिद्धान्त। पूर्ति का नियम एवं पूर्ति की लोच।

इकाई – 4

वस्तु कीमत निर्धारण

मूल्य निर्धारण का सामान्य सिद्धान्त। कीमत निर्धारण में समय तत्व।

पूर्ण प्रतियोगिता, अपूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार तथा विभेदात्मक एकाधिकार के अर्न्तगत कीमत एवं उत्पादन निर्धारण।

अल्पाधिकार : विशेषतायें, अनिर्धारणीय कीमत एवं उत्पादन, कीमत नेतृत्व तथा विकुंचित मांग वक्र।

इकाई – 5

साधन कीमत निर्धारण

वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त। लगान, मजदूरी, ब्याज एवं लाभ के सिद्धान्त।

राष्ट्रीय आय : परिभाषा, मापन, अवधारणायें तथा आर्थिक कल्याण।

B.Com. (Pt-II) Exam. -2017
Economic Administration and Financial Management

Paper I-	**Financial Management**	3 Hours	100 Marks
Paper II(a)	**Money and Financial System**	3 Hours	100 Marks
	Or		
Paper II(b)	**Project Planning and Control**	3 Hours	100 Marks
	Or		
Paper II(c)	**Rural Banking & Micro Finance**	3 Hours	100 Marks

Paper-I : Financial Management

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit-I

Financial Management :

Meaning, financial goals, importance and limitations of financial management. Tasks and responsibilities of a modern finance manager.

Finance Function : Investment, financing and dividend decisions.

Unit-II

Financial and Profit Planning :

Sources of financial analysis : Financial statements, Income statements and balance-sheet. Techniques of financial analysis, liquidity profitability; capital structure and Activity ratios; Financial Planning.

Unit-III

Capitalization and Capital Structure :

Theories and determinants. Trading on equity, operating leverage, financial leverage and combined leverage.

Unit-IV

Working capital management :

Concept, nature, Significance, determination and estimation of working capital. Cost-volume profit analysis.

Cost of Capital :

Concept and significance of cost of capital, Calculating cost of debt; preference shares, equity capital and retained earnings. Combined (Weighted) cost of capital.

Unit-V

Capital budgeting :

Investment evaluation criteria, payback period, accounting rate of return, net present value, internal rate of return and profitability index.

Management of Income and Dividend Policy

Introduction, significance and determinants of dividend policy. Forms of dividends and issues in dividend policy. Bonus issue.

References:

1.	Sharma, D.C.	:	Vitiya Prabandh
2.	Kulshreshta, R.C.	:	Nigam-Ka-Vitiya Prabandh
3.	Chandra, Prasanna	:	Financial Management
4.	Pandey I.M.	:	Financial Management
5.	Khan & Jain	:	Financial Management
6.	Kucchal S.C.	:	Corporate Financial Management
7.	Hunt	:	Basic Business Finance
8.	Howord & Upton	:	Introduction to Business Finance
9.	Agarwal & Agarwal	:	Elements of Financial Management
10.	अग्रवाल एम.डी. एवं अग्रवाल एन.पी.	:	वित्तीय प्रबन्ध के तत्व, रमेश बुक डिपो, जयपुर
11.	अग्रवाल, एम.आर.	:	वित्तीय प्रबन्ध, मलिक एण्ड कम्पनी

Paper-II : (A) Money and Financial System

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit-I

Money : Meaning, Characteristics, Functions, Role and importance of money in capitalist economy. Type of money; High powered money : meaning and uses; sources of change in high powered money. Alternative measures of money supply in India- their different components. Elementary study of demand for money.

Unit-II

Financial System : Meaning, Significance, components, Financial intermediaries. Market, Instruments and their functions. Money and Capital Market.

Unit-III

Credit creation by Banks : Credit creation process, determination of money, supply and total bank credit.

Interest Rates : Various rates in India (Viz. Bond rate, Bill rate, Deposit Rates etc.) Administered rates and market determined rates, sources of difference in rates of interest, Behaviour of average level of interest rates.

Unit-IV

Value of money, quantity theory of money: Fisher, Cambridge, Keynes and Friedman's approach. Inflation, Deflation, Stag-flation and Devaluation of money.

Unit-V

Problems and policies of allocation of Institutional Credit : Problems between the Govt. and Commercial sector : Inter-Sectoral and Inter-Regional Problems, Problems between large and small borrowers. Operation of conflicting pressure after bank nationalization in 1969.

Reserve Bank of India : Functions, instruments of monetary and credit control.Monetary / Credit policy in present setting and its limitations.

Suggested Readings :

1. Chandler M.V. and Goldfeld S.M.: Economics of Money and Banking; Harper and Row, New York.
2. Gupta Suraj B: Monetary Economics; S. Chand and Co., New Delhi.
3. Gupta Suraj B: Monetary Planning in India; Oxford, Delhi
4. Bhole L.M.: Financial Markets and Institutions; Tata Mc Graw-Hill, New Delhi
5. Hoods R.P.: Indian Securities Market –investors view point; Excell Books, New Delhi.
6. R.B.I.: Functions and Working
7. R.B.I.: Report of Currency and Finance
8. R.B.I.: Report of the Committee to Review the Working of the Monetary System: Chakravarty Committee.
9. R.B.I. : Report of the Committee on the Financial System, Narsimham Committee.
10. Economic Survey: Government of India, Ministry of Finance, Latest Issues.
11. New York Institute of Finance, How the Bond Market Works, Prentice Hall India.
12. Machiraju H.R.: Indian Financial System; Vikas, Delhi
13. Khan M.Y. : Indian Financial System; Tata Mcgraw Hill, New Delhi
14. Khan M.Y. : Financial Services; Tata Mcgraw Hill, New Delhi
15. Sengupta A.K. and Agarwal M.K: Money Market Operations in India; Skylark Publication, New Delhi.
16. Khan M.Y. : Indian Financial System; Theory and Practice; Vikas Publishing House; New Delhi
17. Chandra Prasanna: Financial Management : Theory and Practice; Tata Mcgraw Hill, New Delhi
18. IDBI Annual Reports.
19. Sharma G.L. and Singh Y.P. (eds.): Contemporary Issues in Finance and Taxation; Academic Foundation, Delhi
20. Kapila Raj and Kapila Uma: Banking and Financial Sector Reforms in India; Vol.I, II, III and IV, Academic Foundations, Delhi.
21. Saunders Anthony: Financial Institutions Management a Modem Perspective; Irwin Publications, Mcgraw Hill Co., New York.
22. Madura Jeff: Financial Markets and Institutions; West Publishing Co., New-York.
23. Srivastava, R.M.: Management of Indian Financial Institutions; Himalaya Publishing House, Mumbai.
24. Singh, Gupta & Bhandari: Money and Financial System; Ramesh Book Depot, Jaipur
25. सिंह गुप्ता एवं भण्डारी : मुद्रा एवं वित्तीय व्यवस्था, रमेश बुक डिपो, जयपुर

or

Paper-II : (B) Project Planning and Control

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Special Instruction : Atleast three numerical questions be given from three separate units of the syllabus in Section "B" and Section "C".

Unit-I

Project **:** Meaning, Definition, characteristics, project identification **:** Project ideas, screening of ideas, Environmental Scanning and opportunity analysis, project life cycle, causes of project failure, project feasibility analysis : Market Technical and Financial analysis.

Business Forecasting **:** Meaning, importance, limitations, tools, techniques and essentials of business forecasting.

Unit-II

Project Budgeting Methods **:** Payback, ARR, NPV, IRR, Zero Base Budgeting, Social Cost Benefit Analysis and Shadow Pricing.

Unit – III

Project organization structure; setting up of organization structure; Project Manager; Qualifications, selection and training; authority and responsibility of a project manager. Marginal costing technique for project decision.

Unit – IV

Project Financing **:** Meaning, Sources, Merits & Demerits. Role of Development Financial Institutions in project financing. Use of networking techniques in project planning. PERT & CPM.

Unit-V

Budgetary Control **:** Meaning, Characteristics, Object and Benefits of budgetary control. Type of Budgets, Standard Costing : Simple Variances Analysis, Budgetary control and standard costing.

Reference:

1. Bryce, M.C.: Industrial Development, Mcgraw Hill (Int.Ed.), New York.
2. Chandra, Prasanna: Project Preparation, Appraisal and Implementation, Tata Mcgraw Hill, Delhi.
3. I.D.B.I: Manual of Industrial Project Analysis in Developing Countries.

4. O.E.C.D: (i) Manual for Preparation of Industrial Feasibility Studies. (ii) Guide to Practical Project Appraisal.
5. Pitale, R.L: Project Appraisal Techniques, Oxford and IBH.
6. Planning Commission: Manual for Preparation of Feasibility Report.
7. Timothy, D.R. and W.R. Sewell: Project Appraisal and Review, Macmillan, India.
8. Chaudhary, S.: Project Management, Tata McGraw Hill, New Delhi
9. Little I.M.D. and Mirrless JA: Project and Planning for Developing Countries, Heinemann Education Books, London.
10. Agarwal, Singh & Mishra; Project Planning and Control: Ramesh Book Depot, Jaipur (Hindi Edition)

or

Paper-II : (C) Rural Banking & Micro Finance

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit-I

Rural India : Definitions of rural areas. Main characteristics of rural economy of India. The problem of rural poverty and rural unemployment. Role of Panchayati Raj System in rural development programmes.

Importance of rural infra-structure. Present status and problems of rural infra-structure in India. Role of rural credit in the development of rural infra-structure.

Unit-II

Govt. Initiatives for Rural Development : Banking reforms and rural credit. Initiatives towards agricultural credit –National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), Lead Bank Scheme (LBS) and Service Area Approach (SAA). Small Industries Development Bank of India (SIDBI). Role and function of District Industries Centre (DIC). Govt. schemes for rural development specially for employment generation and entrepreneurial development.

Unit-III

Agricultural Finance in India : Credit sources to agriculture and allied activities. Agricultural credit in post-economic reforms era, present position and problems. Role, functions and problems of Regional Rural Banks (RRBs), Land Development Banks (LDBs) and primary Agricultural Credit Societies (PACs). National Agricultural Insurance Schemes. Major problems and challenges faced by small scale Industries . Agro rural sector. Agricultural marketing credit in India. Credit support for small scale industries / tiny sector / agro rural industries.

Unit-IV

Micro Finance : Concept of microfinance and its special features. Experiments of poverty reduction initiatives in India, Bangladesh Gramin Experiment – Mohammad Yunus

philosophy of microfinance. International experiences – Microcredit Summit, 1997 and policy planning.

Self Help Group (SHG) Approach : Credit, objectives, promotion and General Functioning Norms. Empowerment strategy, Joint Liability Groups, Credit rating and bank linkages – Linking of SHG to bank.

Unit-V

Models of Micro Finance : Conventional models – Role of NGOs. Business facilitator / Business correspondent model, Bank-MFI Bulk handling model, Partnership model.

Development of Microfinance Products : Savings, microinsurance, micropensions and securitization.

Sustainable Development Issues : SHG issues, promotion of micro enterprises, capacity building. Assessment of MFIs, CRISIL Model, M-Cril's Credit Rating Service. Regualtory frame work – Recommendation of expert groups. Microfinance and technology.

References :

1. Bhole, L.M. : Financial Institutions and Markets, Tata McGrawHill
2. Nambooiri, T.C.G. : Credit Appraisal Gayatri Publications
3. Sundharam, KPM : Money, Banking and International Trade, Sultan Chand and Sons, New Delhi
4. Singh, Gopal : Rural Credit Planning, RBSA, Jaipur
5. Tyagi, Manjula : Critical Appraisal of Service Area Approach RBSA, Jaipur
6. ICFAI University : Rural Banking and Microfinance, Hyderabad
7. Machiraju, HR : Indian Financial System, Vikas Publishing House, New Delhi
8. Desai, Vasant : Indian Banking System, Himalaya Publishing House, Mumbai

बी. कॉम पार्ट -II
आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध
परीक्षा योजना-2017

दो प्रश्न-पत्र न्यूनतम उत्तीर्णांक - 72 अधिकतम अंक - 200

प्रथम प्रश्न पत्र **वित्तीय प्रबंध** समय - 3 घंटे अंक 100

द्वितीय प्रश्न पत्र (अ) **मुद्रा एवं वित्तीय व्यवस्था** समय - 3 घंटे अंक 100

या

(ब) **परियोजना नियोजन एवं नियन्त्रण** समय - 3 घंटे अंक 100

या

(स) **ग्रामीण बैंकिंग एवं व्यष्टि वित्त** समय - 3 घंटे अंक 100

प्रश्न पत्र-। वित्तीय प्रबंध

समय अवधि - 3 घंटे अधिकतम अंक - 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा ।दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक : 40

इकाई - I

वित्तीय प्रबंध : अर्थ, वित्तीय उद्देश्य, महत्व और वित्तीय प्रबंध की सीमायें,आधुनिक वित्त प्रबंधक के कार्य और उत्तरदायित्व

वित्तीय कार्य : विनियोग, वित्तीय एवं लाभांश निर्णय

इकाई - II

वित्तीय एवं लाभ नियोजन : वित्तीय विश्लेषण के साधन : वित्तीय विवरण, आय विवरण एवं स्थिति विवरण (चिट्ठा), वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें, तरलता, लाभदायकता और क्रियाशीलता (कार्यकुश६ालता) अनुपात, वित्तीय नियोजन

इकाई - III

पूँजीकरण और पूँजी ढांचा : सिद्धांत और निर्धारक तत्व, समता पर व्यापार, कार्यात्मक लीवरेज, वित्तीय लीवरेज और संयुक्त लीवरेज।

इकाई - IV

कार्यशील पूँजी का प्रबंध : अवधारणा, प्रकृति, महत्व, निर्धारक तत्व और कार्यशील पूंजी का अनुमान, लागत-मात्रा-लाभ विश्लेषण।

पूंजी की लागत : पूँजी लागत की अवधारणा और महत्व, ऋण पूँजी की लागत की गणना, पूर्वाधिकार (अधिमान) अंश, समता अंश पूंजी, प्रतिधारित अर्जन (आंतरिक समता), संयुक्त (भारांकित) पूंजी की लागत।

इकाई - V

पूँजी बजटन : विनियोग मूल्यांकन मापदण्ड, पुनर्भुगतान (अदायगी) अवधि, लेखांकन प्रत्याय दर (औसत प्रत्याय दर), शुद्ध वर्तमान मूल्य, आंतरिक प्रत्याय दर और लाभदायकता सूचकांक।

आय का प्रबंध और लाभांश नीति : परिचय, महत्व और लाभांश नीति के निर्धारक तत्व, लाभांश के प्रकार और लाभांश नीति के प्रमुख बिन्दु (मुद्दे)। बोनस निर्गम।

प्रश्न पत्र -II (अ) मुद्रा एवं वित्तीय व्यवस्था

समय अवधि - 3 घंटे अधिकतम अंक - 100

नोट % इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 40

इकाई - I

मुद्रा : अर्थ, विशेषताएं, कार्य, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका एवं महत्व, मुद्रा के प्रकार, उच्च शक्ति मुद्रा में परिर्वतन के स्रोत, भारत में मुद्रा की पूर्ति के वैकल्पिक मापदण्ड - उनके विभिन्न अंग, मुद्रा की मांग का प्रारम्भिक अध्ययन।

इकाई - II

वित्तीय व्यवस्था : अर्थ, महत्व, अंग, वित्तीय मध्यस्थ : बाजार, उपकरण और उनके कार्य, मुद्रा एवं पूंजी बाजार।

इकाई - III

बैंकों द्वारा साख निर्माण : साख निर्माण की प्रक्रिया, मुद्रा-पूर्ति और समग्र बैंक साख का निर्धारण।

ब्याज की दरें : भारत में विभिन्न दरें (जैस- बांड-दर, बिल दर, जमा दर आदि) प्रशासनिक दरें और बाजार निर्धारक दरें।

ब्याज की दरों में विभिन्नता के स्रोत /कारक, औसत स्तरीय ब्याज दरों का व्यवहार।

इकाई - IV

मुद्रा का मूल्य : मुद्रा का परिमाणात्मक सिद्धांत : फिशर, कैम्ब्रिज और कीन्स विचारधारा, फ्रीडमैन की विचारधारा, मुद्रा स्फीति, मुद्रा संकुचन, निस्पंद (अवपात) स्फीति और मुद्रा का अवमूल्यन।

इकाई - V

संस्थागत साख निर्धारण की नीतियां और समस्याएं : सरकार और व्यापारिक क्षेत्र के मध्य समस्याएं, अन्तर-क्षेत्रीय और अन्तर संभागीय समस्यांए, बड़े और छोटे उधारकर्त्ताओं (ऋणियों) के मध्य समस्यांए, 1969 में बैंको के राष्ट्रीयकरण के बाद क्रियान्वयन के विरोधाभासी दबाव।

रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया : कार्य, मौद्रिक एवं साख नियत्रंण के उपकरण, वर्तमान मौद्रिक / साख नीति और उसकी सीमाएं।

अथवा

प्रश्न पत्र - II (B) परियोजना नियोजन एवं नियन्त्रण

समय अवधि - 3 घंटे अधिकतम अंक - 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे । प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो । कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो ।

कुल अंक : 40

विशेष निर्देश : खण्ड 'ब' और खण्ड 'स' में कम से कम तीन प्रायोगिक (Numerical) **प्रश्न पृथक तीन इकाइयों में से पूछे जावेंगे।**

इकाई - I

परियोजना : अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, परियोजना पहचान, परियोजना विचार, विचारों की जॉच-पड़ताल, पर्यावरणीय समीक्षा और अवसर विश्लेषण, परियोजना जीवन-चक्र, परियोजना असफलता के कारण, परियोजना साध्यता विश्लेषण :बाजार, तकनीकी, वित्तीय विश्लेषण, व्यावसायिक पूर्वानुमान : अर्थ, महत्व, सीमायें, उपकरण एवं तकनीकें तथा व्यावसायिक पूर्वानुमान के आवश्यक गुण।

इकाई - II

परियोजना बजटन विधियॉ :पुनर्भुगतान, लेखांकन प्रत्याय दर, शुद्ध वर्तमान मूल्य, प्रत्याय की आंतरिक दर, शून्य आधार बजटन, सामाजिक लागत-लाभ विश्लेषण एवं छाया मूल्य निर्धारण।

इकाई - III

परियोजना संगठन ढांचा : संगठन ढांचे की स्थापना परियोजना प्रबंधक: योग्यताएं, चयन एवं प्रशिक्षण, परियोजना प्रबंधक के अधिकार एवं उत्तरदायित्व परियोजना निर्णयन हेतु सीमान्त लागत लेखांकन तकनीक।

इकाई - IV

परियोजना वित्त : अर्थ, साधन, लाभ तथा हानियॉ, वित्तीय विकास संस्थाओं की परियोजना वित्त में भूमिका: परियोजना हेतु तन्त्र विश्लेषण प्रविधियों का प्रयोग। पर्ट एवं सी.पी. एम.।

इकाई - V

बजटरी नियन्त्रण: अर्थ, विशेषताएं, उद्देश्य तथा बजटरी नियन्त्रण के लाभ, बजटों के प्रकार, प्रमाप लागत लेखांकन, सरल सामग्री एवं श्रम विचरण, बजटरी नियन्त्रण और प्रमाप लागत लेखांकन।

अथवा

प्रश्न पत्र - II (C) ग्रामीण बैंकिंग एवं व्यष्टि वित्त

समय अवधि - 3 घंटे अधिकतम अंक - 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । कुल अंक : 10

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक : 50

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । कुल अंक : 40

इकाई - I

ग्रामीण भारत : ग्रामीण क्षेत्रों की परिभाषायें।भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषतायें। ग्रामीण गरीबी एवं ग्रामीण बेरोजगारी की समस्या। ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में पंचायतीराज प्रणाली की भूमिका। ग्रामीण आधारभूत संरचना की महत्ता, भारत में ग्रामीण आधारभूत ढ़ांचे की वर्तमान स्थिति एवं समस्यायें। ग्रामीण आधारभूत ढ़ांचे के विकास में ग्रामीण साख की भूमिका।

इकाई - II

ग्रामीण विकास के लिये सरकार की पहल: बैंकिंग सुधार एवं ग्रामीण साख। कृषिजन्य साख के लिये पहल -राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), अग्रणी बैंक योजना तथा सेवा क्षेत्र दृष्टिकोण। भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक (सिडबी)। जिला उद्योग केन्द्र की भूमिका एवं कार्य। ग्रामीण विकास के लिये सरकारी योजनायें विशेषकर रोजगार सृजन एवं उद्यमिता विकास हेतु।

इकाई - III

भारत में कृषिजन्य/कृषिगत वित्त :कृषि एवं सम्बन्धित गतिविधियों के लिये साख के स्रोत। आर्थिक सुधार पश्चात काल में कृषिगत साख, वर्तमान स्थिति एवं समस्यायें।क्षेत्रिय ग्रामीण बैंको

की भूमिका, कार्य एवं समस्यायें,भूमि विकास बैंक तथा प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां। राष्ट्रीय कृषि बीमा योजनायें। लघु पैमाने के उद्योगों की समस्यायें एवं चुनौतिय¡k। कृषि–ग्रामीण क्षेत्र।भारत में कृषि विपणन साख।लघु पैमाने के उद्योगों/अति लघु क्षेत्र/एग्रो–ग्रामीण उद्योगों के लिये साख समर्थन।

इकाई – IV

व्यष्टि वित्त :व्यष्टि वित्त की अवधारणा एवं इसकी विशिष्ट विशेषतायें ।भारत में गरीबी कम करने। की पहल के प्रयोग, बांग्लादेश ग्रामीण प्रयोग। मोहम्मद युनुस का व्यष्टि वित्त का दर्शन। अर्न्तराष्ट्रीय अनुभव–व्यष्टि वित्त सम्मेलन, 1997 तथा नीति नियोजन।स्वयं सहायता समूह दृष्टिकोण : साख, उद्वेश्य, प्रोन्नयन, सामान्य कार्य संचालन मानदण्ड। सशक्तीकरण व्यूह रचना, संयुक्त दायित्व समूह, साख श्रेणीयन एवं बैंक सम्बंधता– स्वयं सहायता समूह का बैंक से संबंध।

इकाई – V

व्यष्टि वित्त के प्रतिरूपः परम्परागत प्रतिरूप–गैर सरकारी संगठनों की भूमिका।व्यवसाय सुविधाकारी। व्यवसाय कॉरस्पोन्डेंट प्रतिरूप, बैंक–एम.एफ.आई. बल्क हेण्डलिंग प्रतिरूप, साझेदारी प्रतिरूप।व्यष्टि वित्त उत्पादों का विकासः बचते, व्यष्टिबीमा, व्यष्टि पेंशन एवं प्रतिभूतीकरण।

सुस्थिर विकास के मुद्दे : स्वयं सहायता समूह मुद्दे, व्यष्टि उपक्रमों का प्रोन्नयन, क्षमता निर्माण, एम.एफ.आई., क्रिसिल प्रतिरूपों का मूल्यांकन, एम.–क्रिल (M-Cril's) साख श्रेणीयन सेवा। नियामक ढ़ांचा – विशेषज्ञ समूह की अनुशंसायें। व्यष्टिवित्त एवं प्रौद्यौगिकी।

B.COM. PART III Exam -2017
Economic Administration & Financial Management (EAFM)

Scheme :

Two Papers		**Min. Pass marks 72**	**Max. Marks 200**
Paper - I	**International Trade and Finance**	**3 hrs**	**100**
Paper - II	**A.Financial Market Operations**	**3 hrs**	**100**
	OR		
	B. Indian Banking System	**3 hrs**	**100**
	OR		
	C. Credit Management	**3 hrs**	**100**

Paper – I: International Trade and Finance

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit – I

International Trade: Need, importance and problems; Distinction between Inter-regional and International trade; Regulation of International trade. An Elementary knowledge of the comparative cost theory, Hecksher and Ohlin theory of International trade.

UNIT – II

Role of Acceptance and Discount Houses; Documentary Credit; Euro-Currency Market: Characteristics, growth, functions, working mechanism, importance in International finance and problems. Terms of trade and factors affecting terms of trade.

UNIT – III

Free Trade v/s Protection, Foreign Exchange Rate: Meaning, Types and determination– Theories of exchange rate determination. Fluctuations in exchange rates :causes, effects and methods of controlling fluctuations. Main Provisions of FEMA, ECGCI.

UNIT – IV

Balance of Payments: Concept, importance, causes of disequilibrium and measures for correction. WTO, UNCTAD, EXIM Bank of India.

UNIT – V

The Problem of International Liquidity & SDRs, IMF, IBRD, IDA, IFC and Asian Development Bank (ADB) – with special reference to India.

References :

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्तः अग्रवाल सिंह एवं गुप्ता; अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर।
2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापारः जी.सी.सिंघई।
3. International Trade & Finance: S.K.Mathur.

4. International Trade: Barla & Agarwal.
5. International Trade: C.M.Choudhary.
6. International Trade: Sudama Singh.

Paper – II(A) : Financial Market Operations

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit – I

Financial Markets in India: An overview of financial markets in India. Indian money market: Composition, Structure – Acceptance houses, Discount houses and call money markets. Defects of Indian money market and suggestions for removing them. Recent trends in Indian money market.

UNIT – II

Capital Market: Institutions and instruments. Difference between money and capital market and relationship between them. Stock Trading, F & O (Future and Options).

Security Market: New issue market, secondary market. Functions and role of Stock Exchange; Listing procedure and legal requirements; Public issue – pricing and marketing.

UNIT – III

Stock Exchanges: Functionaries on Stock Exchanges: Brokers, Sub – Brokers, market makers, jobbers, Portfolio consultants, Institutional investors and NRIs. National Stock Exchange and Over the Counter Exchanges.

UNIT – IV

Securities Contract and Regulation Act: Main provisions. Investors protection: Grievances concerning stock exchange dealings and their removal; Grievance cells in stock exchanges; SEBI; Company Law Board; Press; Remedy through courts.

UNIT – V

Financial Services: Merchant banking – Functions and role; SEBI guidelines; Credit rating – concept, functions and type. Credit Rating in India.

Reference:

1- Financial Market Operations: C.M.Choudhary; Ramesh Book Depot, Jaipur.

2. वित्तीय बाजार परिचालन: व्ही.के.मिश्रा, रमेश बुक डिपो, जयपुर।

3- Indian Financial System: Vasant Desai, Himalaya Publication, Delhi.

OR

Paper – II(B) : Indian Banking System

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit – I

Indian Banking System : Indian Banking System an overview. Main provisions of Indian Banking Regulation Act, 1949. Main provisions of Reserve Bank of India Act, 1934.

UNIT – II

Commercial Banking In India : Growth and development in post–independent era. Social control and nationalisation of commercial banks. Recent and innovative trends in Indian Commercial banking.

State Bank of India : Brief history, Objectives, Structure, Organisation, Functions, Working and Progress.

ICICI Bank Ltd. : A universal Bank.

UNIT – III

Rural Banking in India : Regional Rural Banks (RRBs) – Organisation & functions, growth and Working. The major problems faced by RRBs. Improvement in the working of RRBs. National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) – Objectives, Role, Functions and Progress.

Co-operative Banking in India : Structure of Co-operative Banks – Primary Agricultural Credit Co-operative Societies(PACCs), Central Co-operative Banks, State Co-operative Banks, Urban Co-operative Banks.

UNIT – IV

Development Banking in India : The Concept of Development Bank, Role & functions of development banks. Objectives, functions & progress of Industrial Development Bank of India (IDBI), Industrial Finance Corporation of India (IFCI), Small Industries Development Bank of India (SIDBI), Industrial Investment Bank of India (IIBI), State Finance Corporations (SFCs)

UNIT – V

Central Banking in India : The Reserve Bank of India – objectives, organisation, functions & working, monetary policy, credit control measures and their effectiveness. **Non–Banking Finance Companies (NBFCs) :** Growth, working and regulation. Banking Sector Reforms in India.

Reference:

1. भारतीय बैकिंग प्रणाली: त्रिवेदी: दशोरा, नागर एवं सिंह; रमेश बुक डिपो, जयपुर।
2. Indian Banking System: Trivedi, Choudhary and Kumar; Ramesh Book Depot, Jaipur.
3. Banking & Finance: C.M.Choudhary, Malik & Co.; Jaipur.
4. मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व: सिंह एवं गुप्ता; रमेश बुक डिपो, जयपुर।
5. बैंकिंग एवं वित्त: वशिष्ठ: स्वामी एवं गुप्ता, रमेश बुक डिपो, जयपुर।
6. Banking and Finance: Gupta, Swami & Vashisth; Ramesh Book Depot, Jaipur.

7. Indian Banking System: Vasant Desai
8. Money, Banking & International Trade: D.M.Mithani; Himalaya Publishing House, Mumbai.
9. Money & Banking: M.L.Seth
10. Money & Banking: T.T.Sethi
11. Banking Theory and Practice: K.C.Shekhar & Lakshmy Shekhar; Vikas Publishing House Ltd.; New Delhi.
12. Banking and Finance: Mathur, Yadav, Mathur, Vyas and Mishra, RBSA, Jaipur.

OR

Paper – II(C) : Credit Management

Time – 3 Hrs. Max. Marks-100

Note *:* The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit – I

Overview : Lending activity – Basic requirements for lending.
Objectives of Credit Management : Credit Allocation, Credit Evaluation, Credit Discipline and Credit Monitoring.
Principles of Credit Management : Principles of Lending – Evaluation of Borrower- The 6 Cs –Fair Practices Code.

Unit – II

Credit Policy in Banks : Need for Credit Policy – components of credit policy – Credit policy of Reserve Bank of India, Credit culture.
Regulatory Framework of Credit : Regulation of Banking Institutions and Non-Banking Finance Companies (NBFCs).

Credit Deployment : Role of Bank Credit, Bank credit in Indian Scenario, Credit for various sectors in Indian Economy. Recent trends in credit deployment in India.

Unit – III

Types of Borrowers : Various categories including the special type of Borrowers.
Documentation **:** Importance of documentation, scrutiny of documents, Renewal of documents and security offered for loans.

Prudential norms : Capital Adequacy of Banks in India, Prudential norms for capital Adequacy, Capital Tiers I and II.

Unit – IV

Credit Evaluation : Term Loans, Sources of Finance, Project Appraisal, Lending Norms and Policies of Institutions, Capital Budgeting.

Working Capital Finance :Concept and Factors determining working capital, working capital cycle (operating).

Credit Monitoring: Basic elements of Credit Monitoring, Financial Supervision, Financial Follow-up, Financial Follow-up Reports, Physical Follow-up.

Unit – V

Debt Recovery Management : Credit Risk, Identifying Problem Loans, Loan classification Contingent Risk.

Debt Recovery Tribunals : Object and functioning of Debt Recovery Tribunal, Authority of Debt Recovery Tribunal, Procedure and Powers of Debt Recovery Tribunals and DRAT.

Securitization Act : Introduction, Securitization Companies,. Functions of Assets Reconstruction Company (ARC), Appellate Tribunal.

Reference Books :

1. Fredric S Mishkin : Economics of Money, Banking and Financial Markets, Addision Wesley Publishing

2. Lawrence S. Ritler, William L Silber, Gregory Fudell :Principles of Money, Banking and Financial Markets, Longman Science and Technology

3. Lloyd B Thomas : Money, Banking and Financial Markets, McGraw Hill Primis Custom Publishing

4. Singh Gopal : Credit Management, RBSA Publishers, Jaipur

बी.कॉम. पार्ट – III परीक्षा–2017
आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध

परीक्षा योजनाः

दो प्रश्न–पत्र **न्यूनतम उत्तीर्णांक 72** **अधिकतम अंकः 200**

प्रथम प्रश्न पत्र– अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त

द्वितीय प्रश्न पत्र –अ– वित्तीय बाजार परिचालन **समय–3 घंटे**

ब– भारतीय बैंकिंग व्यवस्था **अधिकतम अंकः100**

स– साख प्रबंध

प्रश्न पत्र प्रथम –अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त

अवधि : 3 घंटे **अधिकतम अंकः100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । **कुल अंक : 10**

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक : 50**

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । **कुल अंक : 40**

इकाई – I

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार : आवश्यकता, महत्त्व और समस्याएँ, अन्तर्क्षेत्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तुलनात्मक लागत सिद्धांत एवं हेक्सचर –ओहलिन सिद्धान्त की प्रारम्भिक जानकारी।

इकाई – II

स्वीकृति एवं कटौती गृहों की भूमिका, प्रलेखीय साख, यूरो मुद्रा बाजारः विशेषताएँ, विकास, कार्य प्रणाली, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्त्व और समस्याएँ। व्यापार की शर्तें और व्यापार की शर्तो को प्रभावित करने वाले तत्त्व ।

इकाई – III

स्वतंत्र व्यापार बनाम संरक्षण, विदेशी विनियम दर : अर्थ, प्रकार और निर्धारण – विदेशी विनिमय दर निर्धारण के सिद्धांत । विनिमय दरों में उच्चावचनः कारण प्रभाव एवं उच्चावचन को नियंत्रित करने के उपाय। विदेशी विनिमय प्रबन्ध अधिनियम, फेमा के प्रमुख प्रावधान, भारतीय निर्यात साख एवं गारंटी निगम।

इकाई – IV

भुगतान संतुलन : अवधारणा, महत्त्व, असाम्य के कारण और सुधार के उपाय।विश्व व्यापार संगठन, अंकटाड, भारत का निर्यात–आयात बैंक।

इकाई - V

अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या और विशेष आहरण अधिकार, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक, विश्व बैंक, अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ, अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम और एशियाई विकास बैंक - भारत के विशेष संदर्भ में।

प्रश्न पत्र द्वितीय (अ) :वित्तीय बाजार परिचालन

अवधि : 3 घंटे **अधिकतम अंक:100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । **कुल अंक: 10**

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक : 50**

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । **कुल अंक : 40**

इकाई - I

भारत में वित्तीय बाजार : भारत में वित्तीय बाजारों का सिंहावलोकन। भारतीय मुद्रा बाजार : संरचना, ढ्रांचा स्वीकृति गृह, कटौती गृह एवं याचना मुद्रा बाजार। भारतीय मुद्रा बाजार के दोष तथा उन्हें दूर करने हेतु सुझाव। भारतीय मुद्रा बाजार की आधुनिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई - II

पूँजी बाजार:संस्थाएँ एवं उपकरण।मुद्रा एवं पूँजी बाजार में अन्तर एवं उनके बीच सम्बन्ध, स्कन्ध व्यापार-भविष्य एवं विकल्प।

प्रतिभूति बाजार : नवीन निर्गम बाजार, द्वितीयक बाजार; स्कन्ध विपणि के कार्य एवं भूमिका; सूचीयन प्रक्रिया एवं कानूनी आवश्यकताएँ; सार्वजनिक निर्गम - कीमत निर्धारण एवं विपणन।

इकाई - III

स्कन्ध विपणि : स्कन्ध विपणि में कार्य करने वाले (Functionaries): दलाल, उप-दलाल, बाजार निर्माता, जोबर्स, पोर्टफोलियो सलाहकार, संस्थागत निवेशक एवं गैर-निवासी भारतीय। राष्ट्रीय स्कन्ध विपणि एवं काउन्टर पर विनिमय (NSE and OCE)।

इकाई - IV

प्रतिभूति संविदा एवं नियमन अधिनियम : मुख्य प्रावधान। विनियोक्ता संरक्षण : स्कन्ध विपणि के लेनदेन से सम्बन्धित परिवेदनाएँ एवं उनका निवारण; स्कन्ध विपणियों में परिवेदना प्रकोष्ठ; भारतीय प्रतिभूति विनिमय मण्डल (सेबी); कम्पनी कानून मण्डल ;प्रेस; न्यायालय द्वारा उपचार।

इकाई - V

वित्तीय सेवाएँ :मर्चेण्ट बैंकिंग: कार्य एवं भूमिका; भारतीय प्रतिभूति विनिमय मण्डल (सेबी) के दिशा निर्देश; साख निर्धारण-अवधारणा, कार्य एवं प्रकार।भारत में साख निर्धारण।

अथवा

प्रश्न पत्र द्वितीय (ब) :भारतीय बैंकिंग व्यवस्था

अवधि : 3 घंटे **अधिकतम अंक:100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो । **कुल अंक : 10**

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक : 50**

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । दो प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो । **कुल अंक : 40**

इकाई - I

भारतीय बैंकिंग व्यवस्था : भारतीय बैंकिंग व्यवस्था का सिंहावलोकन। भारतीय बैंकिंग नियम अधिनियम, 1949 के प्रमुख प्रावधान। रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया अधिनियम,1934 के प्रमुख प्रावधान ।

इकाई - II

भारत में व्यापारिक बैंकिंग ; स्वतन्त्रता पश्चात् प्रगति एवं विकास। व्यापारिक बैंकों पर सामाजिक नियन्त्रण और राष्ट्रीयकरण । भारतीय व्यापारिक बैंकों की आधुनिक एवं नवोन्मेष प्रवृतियाँ।

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया : संक्षिप्त इतिहास, उद्देश्य, ढाँचा एवं संगठन, कार्य, कार्य प्रणाली एवं प्रगति। आई. सी.आई.सी.आई. बैंक लिमिटेड : एक सार्वभौमिक बैंक।

इकाई - III

भारत में ग्रामीण बैंकिंग : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक -संगठन एवं कार्य, प्रगति एवं कार्यप्रणाली। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की मुख्य समस्याएँ। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कार्य प्रणाली में सुधार। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) - उद्देश्य, भूमिका, कार्य एवं प्रगति।

भारत में सहकारी बैंकिंग : सहकारी बैंकों का ढ़ाँचा - प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियाँ, केन्द्रीय सहकारी बैंक, राज्य सहकारी बैंक, नगरीय सहकारी बैंक।

इकाई - IV

भारत में विकास बैंकिंग : विकास बैंक की अवधारणा, विकास बैंक की भूमिका एवं कार्य। भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम ,भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, भारतीय औद्योगिक विनियोग बैंक एवं राज्य वित्त निगम के उद्देश्य, कार्य एवं प्रगति।

इकाई -V

भारत में केन्द्रीय बैंकिंग: भारतीय रिज़र्व बैंक -उद्देश्य, संगठन, कार्य एवं कार्य प्रणाली, मौद्रिक नीति, साख नियंत्रण के उपाय एवं उनकी प्रभावोत्पादकता।

गैर-बैंकिंग वित्त कम्पनियाँ : विकास, कार्य प्रणाली एवं नियमन। भारत में बैंकिंग सुधार।

अथवा

प्रश्न पत्र द्वितीय (स) : साख प्रबन्ध

अवधि : 3 घंटे **अधिकतम अंक:100**

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ : इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो ।**कुल अंक : 10**

खण्ड ब : इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे।प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **कुल अंक : 50**

खण्ड स : इस खण्ड में 04 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे (प्रश्न में भाग भी हो सकते है) जो सभी इकाईयों में से दिए जावेंगे, किन्तु एक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा । इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। **कुल अंक : 40**

इकाई - I

सिंहावलोकन : ऋण प्रदान क्रियाएं -ऋण प्रदान करने की आधारभूत आवश्यकताएं।
साख प्रबन्ध के उद्देश्य: साख आवंटन, साख मूल्यांकन, साख अनुशासन तथा साख निगरानी।
साख प्रबन्ध के सिद्धांत: ऋण/साख के सिद्धांत, ऋणी का मूल्यांकन-6Cs-उचित व्यवहार संहिता।

इकाई - II

बैंक साख नीति : साख नीति की आवश्यकता, साख नीति के अंग, भारतीय रिजर्व बैंक की साख नीति, साख संस्कृति।
साख का नियामक ढ़ांचा:बैंकिंग संस्थाओं एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं का नियमन। साख आवंटन: बैंक साख की भूमिका, भारतीय परिदृश्य में बैंक साख - भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिये साख, भारत में साख आवंटन की अद्यतन प्रवृतियां।

इकाई - III

ऋणियों के प्रकार : विभिन्न श्रेणियां विशेष प्रकार के ऋणियों सहित। प्रलेखीयकरण- महत्व, प्रलेखों की जॉच, प्रलेखों का नवीनीकरण तथा ऋणों की जमानत / प्रतिभूति। विवेकपूर्ण मापदण्ड (Prudential Norms) - भारत में बैंकों की पूंजी पर्याप्तता। पूंजी पर्याप्तता के लिये विवकपूर्ण मापदण्ड-पूंजी ढ़ांचा I और II ।

इकाई - IV

साख मूल्यांकन:अवधि ऋण-वित्त के स्रोत, परियोजना मूल्यांकन, संस्थाओं के ऋण मापदण्ड तथा नीतियां, पूंजी बजटन, कार्यशील पूंजी वित्त:-अवधारणा एवं निर्धारक तत्व, कार्यशील पूंजी चक्र

(क्रियाशील) साख निगरानी- साख निगरानी के आधारभूत तत्व, वित्तीय पर्यवेक्षण, वित्तीय अनुपालन, वित्तीय अनुपालन प्रतिवेदन तथा भौतिक अनुपालन।

इकाई - V

ऋण वसूली प्रबंध : साख जोखिम, समस्त ऋणों की पहचान, ऋणों का वर्गीकरण, आकस्मिक जोखिम।ऋण वसूली प्राधिकरण: उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली। ऋण वसूली प्राधिकरण के अधिकार। DRT और DRAT -प्रक्रिया एवं अधिकार।प्रतिभूतिकरण अधिनियम-परिचय, प्रतिभूतिकरण कम्पनी-परिसम्पति पुनर्निमाण प्रमण्डलों के प्रकार्य, अपील प्राधिकरण।